मलेरिया –रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट

Malaria-Rapid Diagnostic Test

उद्देश्य

- रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट द्वारा मलेरिया की जांच करने के बारे में जानना।

परिचय

- मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में सभी गर्भवती महिलाओं की मलेरिया की जांच की जानी जरूरी है।
- गर्भवती महिलाएं मलेरिया से सामान्य लोगों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होती हैं।
- गर्भवती महिलाओं में मलेरिया से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है।
- गर्भावस्था के दौरान मलेरिया की दवा लेना सुरक्षित नहीं माना जाता है।

आवश्यक सामग्री

- रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट
- बफर सोल्यूशन
- स्पिरिट स्वाब
- डिसपोजेबल निडिल

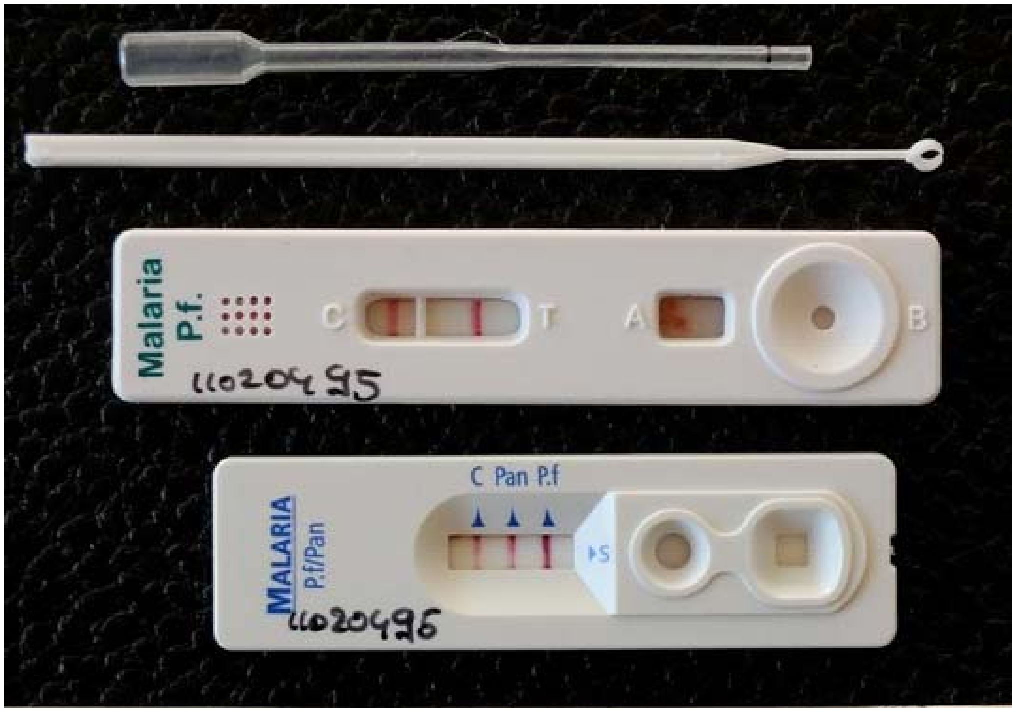

आवश्यक सामग्री

आवश्यक सामग्री

विधि

1 रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट को जांचें कि कहीं वह फटी हुई तो नहीं है।

2 रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट की दिनांक जांच लें, किट की दिनांक अवधिपार न हो।

3 रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट पैकेट खोलें और किट बाहर निकालें।

4 जांच किट को समतल जगह पर रखें।

विधि

5 स्पिरिट स्वाब से गर्भवती महिला की दूसरी या तीसरी उंगली साफ करें और हवा में सूखने दें।

6 साफ की गई उंगली पर निडिल को जोर से चुभाएं।

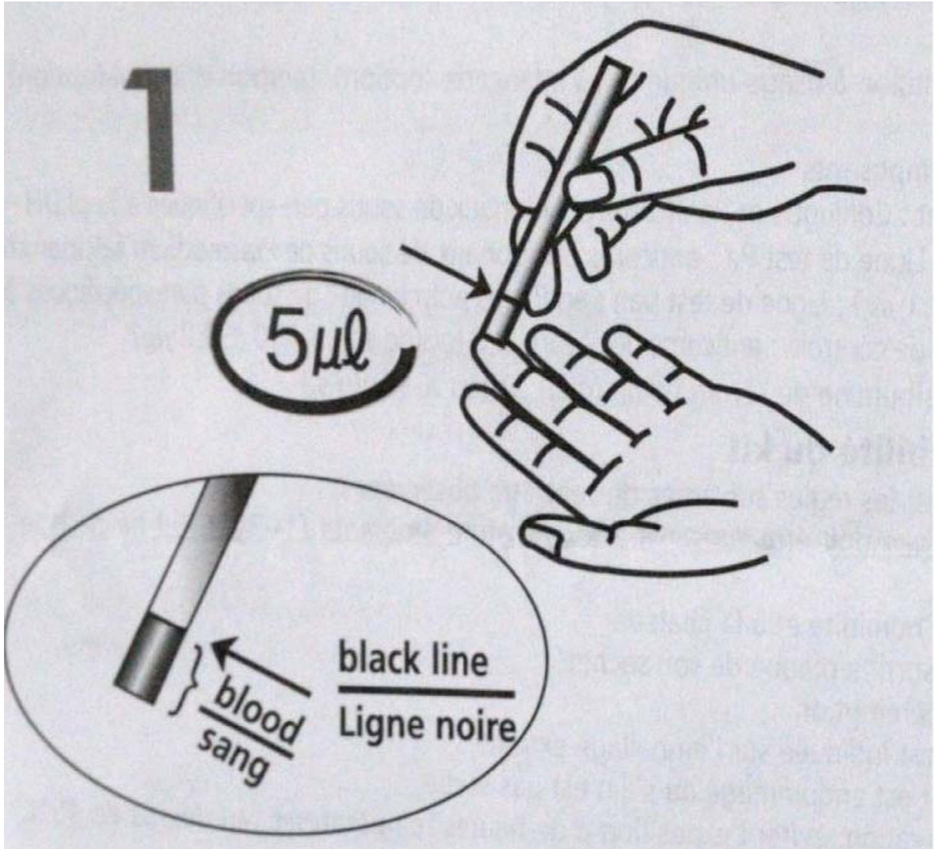

विधि

7 रक्त की छोटी बूंद ड्रॉपर द्वारा किट मार्क एस में नमूना कूप में डालें।

8 पांच बूंद बफर सोल्यूशन की मार्क नमूना कूप के रक्त में शामिल करें।

9 15 मिनिट बाद जांच कर लें।

विवेचना (Interpretation)

- यदि एक लाल रेखा कन्ट्रोल विन्डो सी में दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि मलेरिया नहीं है।

विवेचना (Interpretation)

- यदि लाल रेखा कन्ट्रोल विंडो में टी1 पर है तो मलेरिया पॉजिटिव है और पी एफ है।
- यदि लाल रेखा विंडो में टी2 पर है तो मलेरिया पॉजिटिव है और वाईवेक्स है।
- गर्भवती महिला को सूचित करें व रिकॉर्ड करें।

विवेचना (Interpretation)

- यदि कोई भी रेखा कंट्रोल विंडों में दिखाई न दे तो यह परीक्षण अमान्य है।

नोट– मलेरिया पॉजिटिव होने पर एफ.आर.यू./प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रेफर करें।

धन्यवाद